Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD 103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

B.A. Philosophy (Semester: First)
Philosophy
संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें –
(1) प्रीतश्च तेभ्यो द्विजसत्तमेभ्यः सत्कारपूर्वं प्रददौ धनानि।
भूयादयं भूमिपतिर्यथोक्तो याचाज्जरामेत्य वनानि चेति।।
(2) नाधीरवत्कामसुखे ससञ्जे न संररञ्जे विषमं जनन्याम्।
धृत्येन्द्रियाश्वांश्चपलान्विजिग्ये बन्धूंश्च पौरांश्च गुणैर्जिगाय।।

2. आभ्यन्तर प्रयत्न व बाह्य प्रयत्न तालिका सहित स्पष्ट करें।

3. उपधा, अपृक्त व प्रातिपदिक संज्ञाओं को सूत्रनिर्देशपूर्वक सोदाहरण स्पष्ट करें।

4. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें –
चमत्कारप्रयोजकं सादृश्यवर्णनमुपमा, प्रकृतिनिषेधविशिष्टस्तदन्यारोपोऽपह्नुतिः।

5. कर्म कारक की परिभाषा लिखकर कोई पाँच उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

खण्ड–ख
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. बुद्धचरित से स्मरण किए गए कोई 2 श्लोक (जो इस प्रश्न-पत्र में उल्लिखित न हों) लिखकर उनकी व्याख्या भी कीजिए।
2. श्लोक का छन्दोऽलङ्कार निर्देशपूर्वक सरलार्थ लिखें।
तं तुष्टुवुः सौम्यगुणेन केचिद्ववन्दिरे दीप्ततया तथान्ये।
सौमुख्यतस्तु श्रियमस्य केचिद् वैपुल्यमाशंसिषुरायुषश्च।।

3. निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करके समास के नाम का उल्लेख करें –
   साग्नि, सर्वप्रियः, ऊढरथः, पाणिपादम्, मातापितरौ।
4. आर्या और इन्द्रवज्रा छन्दों के लक्षण व उदाहरण लिखिए।

अथवा

उत्प्रेक्षा व रूपक अलङ्कार का लक्षण व उदाहरण लिखिए।

5. किन्हीं तीन धातुओं के यथानिर्दिष्ट लकारों में सम्पूर्ण रूप लिखिए –
   रक्ष् – लोट्। स्था – लङ्। नी – लङ्। नश् – विधिलिङ्। वद् – लङ्। पा – लङ्।
6. किन्हीं तीन शब्दों को यथानिर्दिष्ट विभक्तियों में सभी वचनों के रूप लिखिए –
   हरि – षष्ठी। गुरु – सप्तमी। पितृ – चतुर्थी। गो – सप्तमी। भगवत् – पञ्चमी।
   पथिन् – षष्ठी। विद्वस् – सप्तमी।

खण्ड–ग

(अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा (1/2) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×1/2=05)**

1. 'गिरीशः' का सन्धि करके सन्धि का नाम लिखें।
2. सत्+जनः की सन्धि करें।
3. 'सुप्तः' में प्रकृति प्रत्यय का उल्लेख करें **अथवा** रामोऽधुना का सन्धि-विच्छेद करें।
4. षट्+मुखः में सन्धि करें।
5. पुना रमते में सन्धि-विच्छेद करें।
6. वृद्धि संज्ञा विधायक सूत्र लिखें।
7. 'दृष्टिः' शब्द में प्रकृति प्रत्यय का उल्लेख करें **अथवा** इति+अत्र की सन्धि करें।
8. कूर्द्+शानच् का क्या रूप बनता है **अथवा** लघूर्मिः में सन्धि विच्छेद करें।
9. कुप्+शतृ का क्या रूप बनता है **अथवा** 'चक्रिंस्त्रायस्व' में सन्धि-विच्छेद करें।
10. सम्प्रदान कारक किसे कहते हैं?

----------x----------